एम0ए0 प्रथम वर्ष (राजनीति विज्ञान)
(आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन)
(प्रथम प्रश्न–पत्र)

लघुउत्तरीय प्रश्न :–

1. भारतीय राजनीतिक चिंतन की उत्पत्ति में सहयोग देने वाले कारको का विवरण दीजिये।
2. आधुनिक भारतीय सामाजिक और राजनीतिक विचारधारा का मुल्य प्रेरणास्रोत 19वीं शताव्दी का पुनर्जागरण आंदोलन था। इस कथन की समीक्षा कीजिये।
3. राजाराम मोहन राय के सामाजिक धार्मिक तथा राजनीतिक विचारों की संक्षिप्त विवेचना कीजिये।
4. केशव चन्द्र सेन का जीवन परिचय देते हुए उनके सामाजिक तथा राजनीतिक विचारों की संक्षिप्त विवेचना कीजिये।
5. स्वामी दयानन्द के समय की राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों की विवेचना करते हुए उनके सामाजिक और राजनीतिक विचारों की व्याख्या कीजिये।
6. स्वामी विवेकानन्द की राजनीतिक देन बताइये।
7. डदारवादियों की देन पर एक संक्षिप्त निबन्ध बताइये।
8. डदारवादी तथा उग्रवादी राष्ट्रवादियों के मध्य उत्पन्न वाद विवाद या संघर्ष का विवेचन कीजिये।
9. वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में क्रान्तिकारी आंदोलन की प्रगति के क्या कारण थे ? उसके प्रधान व्यक्ति कौन थे ?
10. गॉधी जी का ''साध्य एवं साधन'' की धारणा पर प्रकाश डालिये।
11. गॉधी जी ने राजनीति का आध्यात्मीकरण किया।'' इस कथन की व्याख्या कीजिये।
12. किन आधारों पर गॉधी जी राज्य को एक आवश्यक बुराई मानते हैं। आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
13. उदारवाद का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।
14. साम्यवादी सिद्धातों की अवलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।
15. विकासवादी समाजवाद की विशेषताओं का वर्णन कीजिये।
16. जाति तथा वर्ग में पाये जाने वाले प्रमुख अन्तर बताइये।
17. क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि जाति व्यवस्था अब सामाजिक वर्ग के रूप में परिवर्तन हो रही है।
18. डॉ0 अम्बेडकर के राजनीतिक विचारों की समीक्षा कीजिए।
19. संगठित राष्ट्रवादके उदय की सामान्य, आर्थिक, धार्मिक, राजनीतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि की विवेचना कीजिये।
20. दक्षिण भारत में पेरियार द्वारा की गयी ब्राम्हण और गैर ब्राम्हण वर्गों की समाज शास्त्रीय, धार्मिक तथा राजनीतिक व्याख्या प्रस्तुत कीजिये।

एम0ए0 प्रथम वर्ष (राजनीति विज्ञान)
(तुलनात्मक राजनीतिक)
(तृतीय प्रश्न–पत्र)

लघुउत्तरीय प्रश्न :–

1. तुलनात्मक राजनीति क्या है ? तुलनात्मक राजनीति की प्रकृति एवं क्षेत्र की विवेचना कीजिये।
2. तुलनात्मक राजनीति के विकास में द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात् हुई प्रगति पर प्रकाश डालिये।
3. तुलनात्मक पद्धति क्या है ? तुलनात्मक अध्ययन में उसके प्रयोग की भूमिका का उल्लेख कीजिये।
4. राजनीतिक समाजशास्त्र की अध्ययन विधियों का उल्लेख कीजिये।
5. राजनीतिक व्यवस्था के आर्थिक आधारों का मूल्यांकन कीजिये।
6. तुलनात्मक राजनीति के परम्परावादी उपागम की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।
7. आमण्ड कोलमैन के संरचनात्क प्रकार्यात्मक उपागम का विश्लेषण कीजिये।
8. व्यवस्था सिद्धान्त का उपयोग स्पष्ट कीजिये।
9. राजनीतिक संस्कृति क्या हैं ? आधुनिक युग में उसके महत्व का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।
10. राजनीतिक समाजीकरण के मार्ग में आने वाली विभिन्न बाधाओं का उल्लेख कीजिये।
11. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धान्त में शक्ति सिद्धान्त की विवेचना कीजिये।
12. संविधानवाद से आप क्या समझते हैं ? इसकी आधारभूत विशेषताओं का आलोचनात्क वर्णन कीजिये।
13. राजनीतिक अभिजन किसे कहते हैं ? इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिये।
14. राजनीतिक दलों से क्या अभिप्राय है ? इनके प्रमुख कार्यों का उल्लेख कीजिये।
15. दबाव समूह से क्या अभिप्राय है ? इनके प्रमुख लक्षणों पर प्रकाश डालिये।
16. राजनीतिक विकास के उपागम की समीक्षा कीजिये।
17. कार्लमार्क्स द्वारा प्रस्तुत सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिये।
18. संघर्ष की प्रकृति तथा प्रकार बतलाइये और उसके महत्व की विवेचना कीजिए।
19. तुलनात्मक दृष्टिकोण से क्या अभिप्राय है ? प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
20. राज्य एक सावयव है। हरबर्ट स्पेन्सर की इस विचार की आलोचना कीजिए।

एम0ए0 प्रथम वर्ष (राजनीति विज्ञान)
(तुलनात्मक राजनीतिक)
(चतुर्थ प्रश्न–पत्र)

लघुउत्तरीय प्रश्न :–

1. राजनीतिक सिद्धान्त की परिभाषा दीजिये। इसकी विषय वस्तु तथा क्षेत्र पर प्रकाश डालिये।
2. पाश्चात्य राजनीतिक सिद्धान्त के विकास एवं धारणाओं की विवेचना कीजिये।
3. परम्परागत राजनीतिक सिद्धान्त पर आलोचनात्मक निबन्ध लिखिये।
4. प्रमुख परम्परागत पद्धतियों की विवेचना कीजिये।
5. राजनीति, राजनीति विज्ञान और राजनीतिक दर्शन के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये।
6. राजनीतिक सिद्धान्त की क्लासिकी व्याख्या की विवेचना कीजिये।
7. राजनीतिक विद्धान्त की शास्त्रीय परम्परा की प्रमुख सीमाओं का वर्णन कीजिये।
8. राजनीतिक सिद्धान्त के ह्रास या पतन के कारणों की विवेचना कीजिये।
9. राजनीतिक सिद्धान्त का पतन नही हो रहा हे बरन यह विकास की ओर उन्मुख है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिये।
10. राजनीतिक सिद्धान्त की प्रगति तथा विकास की विवेचना कीजिये।
11. विचारधारा की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन कीजिये।
12. वर्तमान समय में विचारधारा का अन्त हो गया है।'' स्पष्ट कीजिये।
13. इतिहास का अर्थ तथा विषय वस्तु स्पष्ट कीजिये।
14. ''क्या इतिहास का अन्त हो गया है।'' विवेचना कीजिये।
15. श्राजनीतिक सिद्धान्त की अभिनव प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिये।
16. हरित राजनीतिक सिद्धान्त से क्या अभिप्राय है ? विवेचना कीजिये।
17. पर्यावरण पर निबन्ध लिखिये।
18. श्राजनीतिक सिद्धान्त की विभिन्न समस्याओं का वर्णन कीजिये।
19. परम्परागत तथा व्यवहारवादी पद्धतियों के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिये।
20. राजनीतिक सिद्धान्त की विभिन्न व्याख्याएँ किस प्रकार की गयी है ? स्पष्ट कीजिये।